Attacks on Tamil Nadu fishermen by Sri Lankan Navy

SHRI R. KAMARAJ (Tamil Nadu): Mr. Chairman, Sir, I wish to bring to the notice of the Government the incidents of attack on the Tamil Nadu fishermen by the Sri Lankan Navy which has become a daily affair. This matter has been brought to the notice of the Central Government several times by the Tamil Nadu Government, but till now no action has been taken in this regard. The Central Government has also conveyed the feelings of the Tamil Nadu Government to the Sri Lankan Government so many times, but these incidents are still going on. In a recent incident which happened on 9lh September, 12 fishermen belonging to Nagapattinam, were attacked by the Sri Lankan Navy and one fishermen was shot dead while the other got injured very seriously. It is proved that all our appeals to end this chain of incidents have fallen on deaf ears. Once again, I request the Government to immediately take up this matter with the Sri Lankan Government In order to put an end to the attacks by the Sri Lankan Navy on the innocent fishermen in future. Thank you.

SHRI S. NIRAIKULATHAN (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with this issue.

Caving in of coal mines in Dhanbad and Jharia in Jharkhand

श्री एस.एस.अहलुवालिया (झारखंड): सभापति महोदय, मेरे गृह राज्य झारखण्ड के धनबाद एवं झरिया इलाके कोयला उत्पादन के लिए विख्यात हैं जिनका प्रबंधन कोल इंडिया लिमिटेड का भारत कोकिंग कोल लिमिटेड करता है । कोयला खदानों की बहुतायत के कारण यह इलाका कामगारों को रोजी-रोटी के लिए हमेशा आकर्षित करता रहा है । कामगार यहां आकर यहीं बस जाते हैं और अपने घरों का निर्माण कर लेते हैं । इसी बसने की प्रवृत्ति के कारण यहां की आबादी का घनत्व भी और इलाकों से ज्यादा है । वहीं दूसरी ओर कोयला खानों से अनवरत कोयला निकाले जाने के कारण ये खानें खोखली हो गई हैं और इनमें बरसात का पानी भर रहा जिससे जमीन नरम और पोली हो गई है । ईश्वर न करे यदि कभी भूकम्प इस इलाके में आया तो यहां जन-धन की भारी तबाही अवश्यम्भावी है । कई स्थानों पर तो अभी भी जमीन धसने लगी है और घरों में दरारें आने लगी हैं । इन खानों को खुला छोड़ देने के कारण कई लोग अवैध खनन के लालच में अपनी जानें भी गंवा चुके हैं ।

अतः इस इलाके में खुदी हुई खानों का बालू से भरा जाना एवं शीघ्र ऐसा करना आवश्यक है ताकि जमीन में पोलापन न रहे । यह भराई बालू, लकडी आदि से की जा सकती है । सिर्फ जमीन के खालीपन को भरने के लिए ही नहीं पर भविष्य में धरती उस भरी हुई जमीन को नया रूप दे सके, इस संदर्भ में भूवैज्ञानिकों से भी सलाह-मशविरा किया जा सकता है ।